Isa

Chapter 57

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1

הַצַּדִּיק	אָבָד	וְאֵין	אִישׁ	שָׂם	עַל־	לֵב	וְאַנְשֵׁי־	חֶסֶד	נֶאֱסָפִים
धर्मी	नष्ट-होता-है	और-नहीं	कोई	रखता	के-ऊपर	दिल	और-मनुष्य	कृपाके	इकट्ठे-किए-जाते-हैं
H6662	H0006	H0369	H0376				H0376		H0622

בְּאֵין	מֵבִין	כִּי־	מִפְּנֵי	הָרָעָה	נֶאֱסַף	הַצַּדִּיק׃
बिना	समझनेवाले	क्योंकि	के-सामने-से	बुराई	इकट्ठा-किया-जाता-है	धर्मी
H0369	H0995		H6440		H0622	H6662

अच्छे लोग चले गये किन्तु इस पर तो ध्यान किसी ने नहीं दिया। लोग समझते नहीं हैं कि क्या कुछ घट रहा है। भले लोग एकत्र किये गये। लोग समझते नहीं कि विपत्तियाँ आ रही हैं। उन्हें पता तक नहीं हैं कि भले लोग रक्षा के लिये एकत्र किये गये।

2

יָבוֹא	שָׁלוֹם	יָנוּחוּ	עַל־	מִשְׁכְּבוֹתָם	הֹלֵךְ	נְכֹחוֹ׃
आएगी	शान्ति	वे-विश्राम-करेंगे	के-ऊपर	अपने-बिस्तरोंपर	चलनेवाला	सीधा
H0935	H7965	H5117		H4904	H1980	H5228

किन्तु शान्ति आयेगी और लोग आराम से अपने बिस्तरों में सोयेंगे और लोग उसी तरह जीयेंगे जैसे परमेश्वर उनसे चाहता है।

3

וְאַתֶּם	קִרְבוּ־	הֵנָּה	בְּנֵי	עֹנְנָה	זֶרַע	מְנָאֵף	וַתִּזְנֶה׃
और-तुम	निकट-आओ	यहाँ	पुत्रो	जादूगरनीके	वंश	व्यभिचारीका	और-वेश्याका
	H7126	H2008			H2233	H5003	H2181

“हे चुड़ैलों के बच्चों, इधर आओ। तुम्हारा पिता व्यभिचार का पापी है। तुम्हारी माता अपनी देह यौन व्यापार में बेचा करती है। इधर आओ!

4

עַל־	מִי	תִּתְעַנָּגוּ	עַל־	מִי	תַּרְחִיבוּ	פֶה	תַּאֲרִיכוּ	לָשׁוֹן
किस-के-ऊपर	किसको	ठठ्ठा-करते-हो	किस-के-ऊपर	किसपर	चौड़ा-करते-हो	मुँह	लम्बी-करते-हो	जीभ
	H4310	H6026		H4310	H7337	H6310	H0748	H3956

הֲלוֹא־	אַתֶּם	יִלְדֵי־	פֶשַׁע	זֶרַע	שָׁקֶר׃
क्या-नहीं	तुम	सन्तान	अपराधके	वंश	झूठका
H3808		H3206	H6588	H2233	H8267

हे विद्रोहियों और झूठी सन्तानों, तुम मेरी हँसी उड़ाते हो। मुझ पर अपना मुँह चिढ़ाते हो। तुम मुझ पर जीभ निकालते हो।

5

הַנֵּחָמִים	בָּאֵלִים	תַּחַת	כָּל־	עֵץ	רַעֲנָן	שֹׁחֲטֵי	הַיְלָדִים	בַּנְּחָלִים	תַּחַת	סְעִפֵי
गर्म-होनेवाले	बलूतोंके-बीच	के-नीचे	सब	पेड़	हरा	बलि-देनेवाले	बच्चोंको	नालों-में	के-नीचे	दरारों
H2552	H0410	H8478	H3605	H6086			H3206		H8478	H5585

הַסְּלָעִים׃
चट्टानोंके
H5553

तुम सभी लोग हरे पेड़ों के तले झूठे देवताओं के कारण कामातुर होते हो। हर नदी के तीर पर तुम बाल वध करते हो और चट्टानी जगहों पर उनकी बलि देते हो।

6

בְּחַלְּקֵי־	נַחַל	חֶלְקֵךְ	הֵם	הֵם	גּוֹרָלֵךְ	גַּם־	לָהֶם	שָׁפַכְתְּ	נֶסֶךְ	הֶעֱלִית
चिकने-पत्थरोंके-बीच	नदी	तेरा-भाग	वे	वे	तेरा-अंश	भी	उनको	तूने-डाला	अर्घ	तूने-चढ़ाया
H2511			H1992	H1992	H1486	H1571	H1992	H8210	H5262	H5927

מִנְחָה	הַעַל	אֵלֶּה	אֶנָּחֵם׃
भेंट	क्या-के-ऊपर	इनको	शान्त-होऊँ
H4503		H0428	H5162

नदी की गोल बट्टियों को तुम पूजना चाहते हो। तुम उन पर दाखमधु उनकी पूजा के लिये चढ़ाते हो। तुम उन पर बलियों को चढ़ाया करते हो किन्तु तुम उनके बदले बस पत्थर ही पाते हो। क्या तुम यह सोचते हो कि मैं इससे प्रसन्न होता हूँ नहीं! यह मुझको प्रसन्न नहीं करता है। तुम हर किसी पहाड़ी और हर ऊँचे पर्वत पर अपना बिछौना बनाते हो।

7

עַל	הַר־	גָּבֹהַ	וְנָשָׂא	שָׂמְתְּ	מִשְׁכָּבֵךְ	גַּם־	שָׁם	עָלִית	לִזְבֹּחַ	זָבַח׃
के-ऊपर	पर्वत	ऊँचे	और-उठाए-हुए	तूने-रखा	अपना-बिस्तर	भी	वहाँ	तू-चढ़ी	बलि-देनेको	बलि
H5927	H2022	H1364	H5375	H7760	H4904	H1571	H8033	H5927	H2076	H2077

तुम उन ऊँची जगहों पर जाया करते हो और तुम वहाँ बलियाँ चढ़ाते हो।

8

וְאַחַר	הַדֶּלֶת	וְהַמְּזוּזָה	שָׂמְתְּ	זִכְרוֹנֵךְ	כִּי	מֵאִתִּי	גָּלִית	וַתַּעֲלִי	הִרְחַבְתְּ
और-पीछे	दरवाज़ेके	और-चौखटके	तूने-रखा	अपना-स्मारक	क्योंकि	मुझसे	तूने-खोला	और-चढ़ी	तूने-चौड़ा-किया
		H4201		H2146		H0854	H1540	H5927	H7337

מִשְׁכָּבָהּ	וַתִּכְרֹת־	לָךְ	מֵהֶם	אָהַבְתְּ	מִשְׁכָּבָם	יָד	חָזִית׃
अपना-बिस्तर	और-तूने-वाचा-बाँधी	अपने-लिए	उनसे	तूने-प्रेम-किया	उनका-बिस्तर	हाथ	देखा
H4904	H3772		H1992	H0157	H4904	H3027	H2372

और फिर तुम उन बिछौने के बीच जाते हो और मेरे विरूद्ध तुम पाप करते हो। उन देवों से तुम प्रेम करते हो। वे देवता तुमको भाते हैं। तुम मेरे साथ में थे किन्तु उनके साथ होने के लिये तुमने मुझको त्याग दिया। उन सभी बातों पर तुमने परदा डाल दिया जो तुम्हें मेरी याद दिलाती हैं। तुमने उनको द्वारों के पीछे और द्वार की चौखटों के पीछे छिपाया और तुम उन झूठे देवताओं के पास उन के संग वाचा करने को जाते हो।

9

וַתִּשָּׁרִי	לַמֶּלֶךְ	בַּשֶּׁמֶן	וַתַּרְבִּי	רְקָחָיִךְ	וַתִּשְׁלְחִי	צִרַיִךְ	עַד־	מֵרָחֹק
और-तू-गई	राजाके-पास	तेलसे	और-तूने-बढ़ाए	अपने-इत्रोंको	और-तूने-भेजे	अपने-दूतोंको	तक	दूर
H7788	H4428	H8081		H7547	H7971		H5704	H7350

וַתַּשְׁפִּילִי	עַד־	שְׁאוֹל׃
और-तू-नीचे-उतरी	तक	शेओल
H8213	H5704	H7585

तुम अपना तेल और फुलेल लगाते हो ताकि तुम अपने झूठे देवता मोलक के सामने अच्छे दिखो। तुमने अपने दूत दूर—दूर देशों को भेजे हैं और इससे ही तुम नरक में, मृत्यु के देश में गिरोगे।

10

בְּרֹב	דַּרְכֵּךְ	יָגַעַתְּ	לֹא	אָמַרְתְּ	נוֹאָשׁ	חַיַּת	יָדֵךְ	מָצָאת	עַל־	כֵּן
बहुतायत-में	अपने-मार्गोंकी	तू-थक-गई	नहीं	तूने-कहा	निराशा	जीवन	अपने-हाथका	पाया	के-ऊपर	इसलिए
H7230	H1870	H3021	H3808	H0559	H2976		H3027	H4672		

לֹא	חָלִית׃
नहीं	कमज़ोर-हुई
H3808	

इन बातों को करने में तूने परिश्रम किया है। फिर भी तू कभी भी नहीं थका। तुझे नई शक्ति मिलती रही क्योंकि इन बातों में तूने रस लिया।

11

וְאֶת־	מִי	דָּאָגְתְּ	וַתִּירְאִי	כִּי	תְכַזְּבִי	וְאוֹתִי	לֹא	זָכַרְתְּ	לֹא־
और-को	किससे	तू-चिन्तित-हुई	और-डरी	क्योंकि	तू-झूठ-बोलती-है	और-मुझे	नहीं	तूने-याद-किया	नहीं
H0853	H4310	H1672	H3372		H3576	H0853	H3808	H2142	H3808

שָׂמְתְּ	עַל־	לִבֵּךְ	הֲלֹא	אֲנִי	מַחְשֶׁה	וּמֵעוֹלָם	וְאוֹתִי	לֹא	תִירְאִי׃
तूने-रखा	के-ऊपर	अपने-दिल	क्या-नहीं	मैं	चुप-रहनेवाला	और-प्राचीनकाल-से	और-मुझसे	नहीं	डरती-है
H7760			H3808	H0589	H2814	H5769	H0853	H3808	H3372

तूने मुझको कभी नहीं याद किया यहाँ तक कि तूने मुझ पर ध्यान तक नहीं दिया! सो तू किसके विषय में चिन्तित रहा करता था तू किससे भयभीत रहता था तू झूठ क्यों कहता था देख मैं बहुत दिनों से चुप रहता आया हूँ और फिर भी तूने मेरा आदर नहीं किया।

12

אֲנִי	אַגִּיד	צִדְקָתֵךְ	וְאֶת־	מַעֲשָׂיִךְ	וְלֹא	יוֹעִילוּךְ׃	
मैं	बताऊँगा	तेरी-धार्मिकता	और-को	तेरे-काम	और-नहीं	तुझे-लाभ-पहुँचाएंगे	
H0589	H5046	H6666	H0853	H4639	H3808	H3276	

तेरी 'नेकी' का मैं बखान कर सकता था और तेरे उन धार्मिक कर्मों का जिनको तू करता है, बखान कर सकता था। किन्तु वे बातें अर्थहीन और व्यर्थ हैं!

13

הָבֶל	יִקַּח־	רוּחַ	יִשָּׂא־	כֻּלָּם	וְאֶת־	קְבוּצָיִךְ	יַצִּילֵךְ	בְּזַעֲקֵךְ
व्यर्थता	ले-लेगी	हवा	उठा-लेगी	उन-सबको	और-को	तेरे-इकट्ठे-हुए	छुड़ाएंगे-तुझे	जब-तू-दोहाई-देगी
H1892	H3947	H7307	H5375	H3605	H0853	H6899	H5337	H2199

קָדְשִׁי׃	הַר־	וְיִרַשׁ	אֶרֶץ	יְנַחַל־	בִּי	וְהַחוֹסֶה	
मेरी-पवित्रताका	पर्वत	और-अधिकार-करेगी	भूमि	विरासतमें-पाएगी	मुझमें	और-शरण-लेनेवाला	
H6944	H2022	H3423	H0776	H5157		H2620	

जब तुझको सहारा चाहिये तो तू उन झूठे देवों को जिन्हें तूने अपने चारों ओर जुटाया है, क्यों नहीं पुकारता है। किन्तु मैं तुझको बताता हूँ कि उन सब को आँधी उड़ा देगी। हवा का एक झोंका उन्हें तुम से छीन ले जायेगा। किन्तु वह व्यक्ति जो मेरे सहारे है, धरती को पायेगा। ऐसा ही व्यक्ति मेरे पवित्र पर्वत को पायेगा।"

14

ס	עַמִּי׃	מִדֶּרֶךְ	מִכְשׁוֹל	הָרִימוּ	דֶּרֶךְ	פַּנּוּ־	סְלוּ	סְלוּ־	וְאָמַר
स	मेरी-प्रजाके	मार्ग-से	ठोकर	हटाओ	मार्ग	साफ़-करो	बनाओ	बनाओ	और-वह-कहेगा
		H1870	H4383		H1870	H6437	H5549	H5549	H0559

रास्ता साफ कर! रास्ता साफ करो! मेरे लोगों के लिये राह को साफ करो!

15

מָרוֹם	שְׁמוֹ	וְקָדוֹשׁ	עַד	שֹׁכֵן	וְנִשָּׂא	רָם	אָמַר	כֹּה	כִּי
ऊँचाई-पर	उसका-नाम	और-पवित्र	अनन्त	निवास-करनेवाला	और-उठाया-हुआ	ऊँचा	कहा	कों	क्योंकि
H4791	H8034	H6918	H5703	H7931	H5375		H0559	H3541	

שְׁפָלִים	רוּחַ	לְהַחֲיוֹת	רוּחַ	וּשְׁפַל־	דַּכָּא	וְאֶת־	אֶשְׁכֹּן	וְקָדוֹשׁ
नीचोंकी	आत्मा	जिलानेको	आत्मा-में	और-नीचे	कुचले-हुए	और-के-साथ	मैं-निवास-करता-हूँ	और-पवित्रता-में
H8217	H7307	H2421	H7307	H8217		H0854	H7931	H6918

נִדְכָּאִים׃	לֵב	וּלְהַחֲיוֹת
कुचलोंका	दिल	और-जिलानेको
H1792		H2421

वह जो ऊँचा है और जिसको ऊपर उठाया गया है, वह जो अमर है, वह जिसका नाम पवित्र है, वह यह कहता है, "एक ऊँचे और पवित्र स्थान पर रहा करता हूँ, किन्तु मैं उन लोगों के बीच भी रहता हूँ जो दु:खी और विनम्र हैं। ऐसे उन लोगों को मैं नया जीवन दूँगा जो मन से विनम्र हैं। ऐसे उन लोगों को मैं नया जीवन दूँगा जो मन से विनम्र हैं। ऐसे उन लोगों को मैं नया जीवन दूँगा जो हृदय से दु:खी हैं।

16

מִלְפָנַי	רוּחַ	כִּי־	אֶקְצוֹף	לָנֶצַח	וְלֹא	אָרִיב	לְעוֹלָם	לֹא	כִּי
मेरे-सामने-से	आत्मा	क्योंकि	क्रोधित-रहूँगा	सदाके-लिए	और-नहीं	लड़ूँगा	हमेशाके-लिए	नहीं	क्योंकि
H6440	H7307		H7107	H5331	H3808	H7378	H5769	H3808	

עָשִׂיתִי׃	אֲנִי	וּנְשָׁמוֹת	יַעֲטֹף
बनाया	मैंने	और-प्राणोंको	कमज़ोर-होगी
	H0589	H5397	

मैं सदा—सदा ही मुकद्दमा लड़ता रहूँगा। सदा—सदा ही मैं तो क्रोधित नहीं रहूँगा। यदि मैं कुपित ही रहूँ तो मनुष्य की आत्मा यानी वह जीवन जिसे मैंने उनको दिया है, मेरे सामने ही मर जायेगा।

17

וַיֵּלֶךְ	וְאֶקְצֹף	הַסְתֵּר	וְאַכֵּהוּ	קָצַפְתִּי	בְּצַעוֹ	בַּעֲוֹן		
और-वह-चला	और-क्रोधित-हुआ	छिपाकर	और-मैंने-उसे-मारा	मैं-क्रोधित-हुआ	उसके-लालचके	अधर्मके-कारण		
H3212	H7107	H5641	H5221	H7107	H1215	H5771		

לִבּוֹ׃	בְּדַרְכּוֹ	שׁוֹבָב
अपने-दिलके	मार्गपर	भटकता-हुआ
	H1870	H7726

उन्होंने लालच से हिंसा भरे स्वार्थ साधे थे और उसने मुझको क्रोधित कर दिया था। मैंने इस्राएल को दण्ड दिया। मैंने उसे निकाल दिया क्योंकि मैं उस पर क्रोधित था और इस्राएल ने मुझको त्याग दिया। जहाँ कहीं इस्राएल चाहता था, चला गया।

18

דְּרָכָיו	רָאִיתִי	וְאֶרְפָּאֵהוּ	וְאַנְחֵהוּ	וַאֲשַׁלֵּם	נִחֻמִים	לוֹ	וְלַאֲבֵלָיו׃
उसके-मार्गोंको	मैंने-देखा	और-मैं-उसे-चंगा-करूँगा	और-मैं-उसे-अगुवाई-करूँगा	और-मैं-भुगतान-दूँगा	सान्त्वना	उसको	और-उसके-शोक-करनेवालोंको
H1870	H7200	H7495	H5148		H5150		H0057

> मैंने इस्राएल की राहें देख ली थी। किन्तु मैं उसे क्षमा (चंगा) करूँगा। मैं उसे चैन दूँगा और ऐसे वचन बोलूँगा जिस से उसको आराम मिले और मैं उसको राह दिखाऊँगा। फिर उसे और उसके लोगों को दु:ख नहीं छू पायेगा।

19

בּוֹרֵא	[נוב]	(נִיב)	שְׂפָתָיִם	שָׁלוֹם	שָׁלוֹם	לָרָחוֹק	וְלַקָּרוֹב	אָמַר	יְהוָה	וּרְפָאתִיו׃
रचनेवाला	फल	फल	होंठोंका	शान्ति	शान्ति	दूरको	और-निकटको	कहा	यहोवाने	और-मैं-उसे-चंगा-करूँगा
	H5108	H5108	H8193	H7965	H7965	H7350	H7138	H0559	H3068	H7495

> उन लोगों को मैं एक नया शब्द शान्ति सिखाऊँगा। मैं उन सभी लोगों को शान्ति दूँगा जो मेरे पास हैं और उन लोगों को जो मुझ से दूर हैं। मैं उन सभी लोगों को चंगा (क्षमा) करूँगा!” ने ये सभी बातें बतायी थी।

20

וְהָרְשָׁעִים	כַּיָּם	נִגְרָשׁ	כִּי	הַשְׁקֵט	לֹא	יוּכָל	וַיִּגְרְשׁוּ	מֵימָיו	רֶפֶשׁ	וָטִיט׃
और-दुष्ट	समुद्रकी-तरह	उथलते-हुए	क्योंकि	शान्त-रहना	नहीं	सकता	और-उछालते-हैं	उसके-पानी	कीचड़	और-कीच
H7563	H3220	H1644		H8252	H3808	H3201	H1644	H4325	H7516	H2916

> किन्तु दुष्ट लोग क्रोधित सागर के जैसे होते हैं। वे चुप या शांत नहीं रह सकते। वे क्रोधित रहते हैं और समुद्र की तरह कीचड़ उछालते रहते हैं। मेरे परमेश्वर का कहना है:

21

אֵין	שָׁלוֹם	אָמַר	אֱלֹהַי	לָרְשָׁעִים׃	ס
नहीं	शान्ति	कहा	मेरे-एलोहीमने	दुष्टोंके-लिए	स
H0369	H7965	H0559	H0430	H7563	

> “दुष्ट लोगों के लिए कहीं कोई शांति नहीं है।”